

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

3×4 फुट की छोटी-सी टेबल से शुरू हुआ सफर, आज देशभर में 1,500 से अधिक प्रोजेक्ट्स के साथ सफलता की नई मिसाल बने इंजीनियर ऋषिकेश पिंगले

Sanket Morankar

Published on 30 Jul 2026



बड़ी सफलता पाने के लिए शुरुआत बड़ी होना जरूरी नहीं है। यदि व्यक्ति के पास उच्च शिक्षा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, परिवार का सहयोग और आधुनिक तकनीक का सही उपयोग हो, तो छोटी-सी शुरुआत भी बड़ी उपलब्धियों में बदल सकती है। इसका प्रेरणादायक उदाहरण हैं वास्तुकला एसोसिएट्स के संस्थापक इंजीनियर ऋषिकेश कालूराम पिंगले, जिन्होंने अपने संघर्ष, मेहनत और तकनीकी कौशल के दम पर देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है।

इंजीनियर ऋषिकेश पिंगले ने बी.टेक. (सिविल इंजीनियरिंग) तथा एम.टेक. (स्ट्रक्चरल डिज़ाइन) की शिक्षा प्राप्त की। वर्ष **2021 में उच्च शिक्षा पूरी करने** के बाद उन्होंने अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया। हालांकि उनके व्यवसाय की शुरुआत वर्ष **2020 में केवल 3×4 फुट की एक छोटी-सी टेबल से** हुई थी।

उस समय न कोई बड़ा कार्यालय था और न ही कोई टीम। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने तकनीकी ज्ञान और आत्मविश्वास के बल पर काम शुरू किया। शुरुआती **ढाई वर्षों तक उन्होंने अपने घर से ही काम किया**, जहां वे ग्राहकों से बातचीत, भवन डिज़ाइन, स्ट्रक्चरल प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और तकनीकी निरीक्षण जैसे सभी कार्य स्वयं करते थे।

व्यवसाय के शुरुआती दौर में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सीमित संसाधन, बढ़ते प्रोजेक्ट, ग्राहकों की अपेक्षाएँ और समय पर काम पूरा करने का दबाव लगातार बना रहता था। कई बार ग्राहकों से किया गया वादा निभाने के लिए उन्होंने पूरी रात जागकर डिज़ाइन तैयार किए और प्रोजेक्ट समय पर पूरे किए। लेकिन उन्होंने हर कठिनाई को सीखने का अवसर माना और कभी हार नहीं मानी।

उनकी सफलता में **सोशल मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही**। उन्होंने अपने आर्किटेक्चरल डिज़ाइन, 3D विज़ुअलाइज़ेशन, स्ट्रक्चरल ड्रॉइंग और विभिन्न प्रोजेक्ट्स को सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार लोगों तक पहुँचाया। परिणामस्वरूप उनका काम

केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी उन्हें नए प्रोजेक्ट मिलने लगे।

ऋषिकेश पिंगले का कहना है, “आज मैं जिस मुकाम पर हूँ, उसमें मेरी मेहनत के साथ-साथ सोशल मीडिया का सबसे बड़ा योगदान है। इसी माध्यम से मुझे पूरे भारत में अपनी पहचान बनाने का अवसर मिला।”

उनकी सफलता के पीछे माता-पिता का विश्वास और पत्नी का अटूट सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। व्यवसाय की शुरुआत से ही उनके माता-पिता ने हर कठिन परिस्थिति में उनका साथ दिया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वहीं उनकी पत्नी वास्तुकला एसोसिएट्स की सह-संस्थापक हैं। कंपनी की स्थापना से लेकर उसके विस्तार तक उन्होंने व्यवसाय की योजना, संचालन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऋषिकेश पिंगले कहते हैं, “मेरी सफलता के पीछे मेरे माता-पिता का आशीर्वाद और मेरी पत्नी का मजबूत साथ है। उनके विश्वास और सहयोग ने मुझे हर चुनौती का सामना करने की ताकत दी।”

एक समय अकेले काम करने वाले ऋषिकेश पिंगले के साथ आज आठ प्रशिक्षित कर्मचारियों की टीम कार्यरत है। शिक्कापुर में उनका लगभग 700 वर्ग फुट का आधुनिक एवं सुसज्जित कार्यालय है, जहाँ से अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से देशभर के प्रोजेक्ट्स की डिज़ाइनिंग और प्रबंधन किया जाता है।

आज वास्तुकला एसोसिएट्स का कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों तक फैल चुका है। इतना ही नहीं, कंपनी ने नेपाल में भी अपनी सेवाओं के माध्यम से एक अलग पहचान बनाई है।

वर्तमान में कंपनी 1,500 से अधिक प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है। इनमें आवासीय बंगले, फार्महाउस, अपार्टमेंट, व्यावसायिक भवन, होटल, स्ट्रक्चरल डिज़ाइन और इंटीरियर डिज़ाइन जैसे अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं।

व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ ऋषिकेश पिंगले सामाजिक जिम्मेदारियों को भी समान महत्व देते हैं। पंढरपुर स्थित एक धर्मशाला का डिज़ाइन और उससे संबंधित सेवाएँ उन्होंने अपनी कंपनी के माध्यम से पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई, जो समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आज इंजीनियर ऋषिकेश कालूराम पिंगले की सफलता इस बात का प्रमाण है कि उच्च शिक्षा, निरंतर मेहनत, तकनीकी ज्ञान, सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग, परिवार का सहयोग और ग्राहकों का विश्वास किसी भी छोटे प्रयास को राष्ट्रीय स्तर की सफलता में बदल सकता है।

3x4 फुट की एक छोटी-सी टेबल से शुरू हुआ उनका सफर आज 1,500 से अधिक प्रोजेक्ट्स, आधुनिक कार्यालय और देशभर में फैली पहचान तक पहुँच चुका है। उनकी यह प्रेरणादायक यात्रा नए उद्यमियों और युवा इंजीनियरों के लिए सफलता की मिसाल बन चुकी है।